

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रेश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रेश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते हुए के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते हुए कुछ ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रेफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं हुआ था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाटी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रमक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करेरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संश्लिष्ट थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। घटना में पुरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम में स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाव हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसनगर मैदान में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तेहबा के आतंकीयों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तेहबा के आतंकीयों ने पहलगाव में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के दूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाव आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर दूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फूटपूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गई, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाव के महत्वादी मैदान फिर दूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार है, और किसी को भी अंततः जंगल में मिनी रिट्रिब्यूटल जंगल का पकड़ना नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साक्ष्य से उबर रहा है। दूरिस्ट की सुरक्षा पकड़ करने के लिए पहलगाव रिजॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेडर, जिसमें पानीवाला भी शामिल है, का डिजिटल से बात करने से पहले पहले का वैरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाव में दूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी दूरिस्ट सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेसड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टयम (एजेंसी)। केरल के नेट्टयम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनैतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टयम के मलमलुड इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मावसवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरे के दौरान हुई अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौर के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौर को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा। इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए



आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, पुराने भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और कोलंबो तथा कैंडी स्थित भारतीय मिशन के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और

पारदर्शी होने की संभावना है। दौर के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुसु कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगाम तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा।' सत्ता नेता अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की



रणनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग सद्गुणों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पड़े जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली शर्मानक हार के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है।



उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो जानकारी से भरा हुआ है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को घेरा।

(131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 करने का प्रावधान भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह 'फर्जी' और 'भ्रामक' है। विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहिर्गामी परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई स्कूलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे बुनियादी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं... गांधी, नेहरु और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेदार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और संसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रेली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आजाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइनल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।



प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमपी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब शामिल नहीं थीं, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइनल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

अगर हमारे रिजॉइंडर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा- रजिस्ट्री आपको इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब चोपटले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंडर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया को याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया है।

अगर हमारे रिजॉइंडर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट के बाहर बार थे नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर बनाया। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपको याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रजिस्ट्री का एक नियम है और आपको फॉलो करना पड़ेगा। आपको पहले यहां से मंजूरी लेनी पड़ेगी। यह कोई

असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइनल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले को सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बंदनाम करना चाहती है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लंबित रखना चाहते हैं और बंदनाम करने के लिए कैपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।



मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैल में निष्क्रिय नाम नहीं है बल्कि सरकार से कानूनी काम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई की उन दलीलों का भी विरोध किया कि जिसमें एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल की दलीलों के आधार पर तो

सभी जज अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जाएंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास



कालीलाल माझेत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुःख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए अस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुःख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे में राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वाताओं ने यह दर्शाया कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं। महिला आरक्षण जैसे संवैधानिक विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुरत्तित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं



है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दर्शाती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है। जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं। महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढाँचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केन्द्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है। उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत पाया जाता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है। यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है। इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुईं हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेतावनी है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता का भरोसा टिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठाणों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उनत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिस पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही वे बुद्धिमत्ता का फेंसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शिक्षा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखें मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुःख का केवल यह अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियों केवल डार्डविंग बोर्ड की भाँति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुँचाते हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूँ, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूँ। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

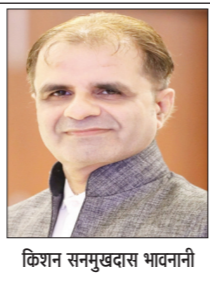
सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियाँ हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूँ। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भर। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूँ, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।



संजय गौरवामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरान आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं भारतीय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालाँकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समान शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरान राजदूत फायली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर दृग्गंभीर चिंता जताई है।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकता: स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता



किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है, और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता और शांति के विश्वसनीयता से जुड़ा होता है। 11-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम की आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का पिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई। लोकसभा में 528 संसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े, लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का पिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी। शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिटी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है। यहाँ से बाजार में अनिश्चिता का प्रवेश होता है और अनिश्चिता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और स्टीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठता और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि: नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलीबारी निंदनीय

ये घटनाएँ ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरुआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था।

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए थे बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन मंत्रालय के बयान में समान शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरान राजदूत फायली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर दृग्गंभीर चिंता जताई है।

अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ए एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मर्यादा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत के लिए पर मिट्टे वाला देश है ए हमला बिल्कुल जाजब नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अटवल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय



सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालाँकि मुझे भी दुःख है लेकिन अगला दो तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएँ वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है। इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इस देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल फ्लो) पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है। शेयर बाजार की मनोविज्ञान: अनिश्चिता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है, शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं, तो निवेशकों में अनिश्चिता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है। विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में है, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूले 66 और बाजार की प्रतिक्रिया: प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ड्रॉसोरीजरल रिस्क हू (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था। निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं, बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्यूमनैस रिस्क प्रीमियम बढ़ जाता है अर्थात् निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं। शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रिया: गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीति। संसद में घटनाक्रमों के बाद अमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैं: शॉर्ट-टर्म गिरावट (शॉर्ट - टर्म-करेक्शन)। निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं, जिससे बाजार में गिरावट आती है। वोलैटिलिटी (वोलैटिलिटी) में वृद्धि: बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स को सतर्क करेंगे: इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट' दे सकते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है। विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो। वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े निवेशक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आंशों पर आंकेते हैं: (1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3) संस्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है। इससे पॉलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है। साथियों बात अगर हम रूपाय, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चिता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता है: (1) रूपाय (करेंसी)। विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रूपाय पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है। (2) बॉन्ड मार्केट: सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केट: कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चिता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है। महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोण। हालाँकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है, लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है, तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकि: (1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है। (2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है। (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती है। अर्थात्, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं। भले ही अल्पकाल में अनिश्चिता हो। साथियों बात अगर हम स्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तो: बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष जीपेटो, ब्लाईफिक और स्वामी

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रेश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रेश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में भी आग से उठते धुंएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुंएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामलों की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने ज़ारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाटी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रमक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आर्युष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथिच रूप से सड़क किनारे थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना में पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम में स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाव हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसनर मेदान में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकीयों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकीयों ने पहलगाव में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के ट्रिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाव आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर ट्रिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फूफूफू सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गई, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हादसे में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाव के महाहौर मेदान फिर ट्रिस्ट की वल-पहल से गुलजार है, और किसी को भी अंतर्जात जिले में मिनी स्विटजरलैंड जाने का पसंदा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साप से उबर रहा है। ट्रिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाव रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पौनीवाला भी शामिल है, का डिजिटल से बांध करने से पहले पहले का वैरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाव में ट्रिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी ट्रिस्ट सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आईडीटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

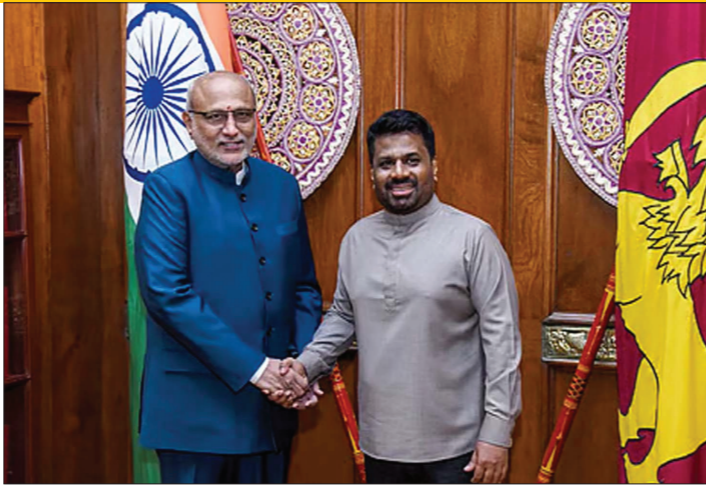
नेट्टयम (एजेंसी)। केरल के नेट्टयम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच झगड़ का हिस्सा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टयम के मलमूलक इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरों के दौरान हुई अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौरों के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौरों को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन डॉक इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा। इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए



आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और

कोलंबो तथा केडी स्थित भारतीय मिशन के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और

पारदर्शी होने की संभावना है। दौरों के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुगु कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, जोते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगमीं तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विश्वी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा।' सभा ने भी अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की



रणनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग समूहों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयप्रम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली 'शर्मनाक हार' के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है।



उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' संसद में विपक्ष ने उठाए थे।

उनका कहना था कि फेक में उन महत्वपूर्ण सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो संसद में विपक्ष ने उठाए थे। गौरतलब है कि सरकार ने संविधान

(131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 करने का प्रस्ताव भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह 'फर्जी' और 'भ्रामक' है। विपक्ष तबि समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रिविज कर कैबिनेट बाई संकुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और हर भारतीय रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं...गांधी, नेहरु और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेदार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मोलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक 'इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मोलाना आज़ाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को



विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीएम' के जाने पर कांग्रेस और तुमामूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उर रहे सवालों पर भी

प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब कांग्रेस पार्टी को भी चुनाव लड़ने से सहायता देनी चाहिए। ओवैसी ने विपक्षी दलों को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी रणनीति मजबूत करनी चाहिए और बहाने बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम है।

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी-बिहार में बढ़ा खतरा

-भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी में तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में आंधी, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं कई इलाकों में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वांचल के राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दूसरी ओर पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। आईएमडी ने कहा कि आंधी के अतिरिक्त मौसम विभाग के अनुसार 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री

के आसपास रह सकता है। सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले दिन भी मौसम में खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। उत्तर प्रदेश में हालात ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांद्रा में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और देवरिया समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना है। खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक

का खतरा बढ़ सकता है। जबकि पहाड़ी राज्यों में भी बड़का खतरा है। हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में मौसम सक्रिय

दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बरतनी चाहिए।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा-रजिस्ट्री आपकी इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब घोचले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंटर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया की याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बार बार ये नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर लिखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपकी याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रजिस्ट्री का एक नियम है रिजॉइंटर फाइल कर दो। रजिस्ट्री स्वीकार नहीं कर रही है। वह आदेश में नहीं आया।

असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंटर कभी उसका फाइल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूँ। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूँगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूँगी। अरविंद केजरीवाल ने सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब के रिजॉइंटर में कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अटकलों, डर फैलाने वाले बयानों और अपमानजनक आरोपों का सहारा लिया लेकिन जस्टिस शर्मा के कर्तव्य के सकारात्मक पैराल में होने को लेकर पक्षपात के आरोपों पर कुछ नहीं कहा

है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले की सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बदनाम करवा रही है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लांबित रखना चाहते हैं और बदनाम करने के लिए कैपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।

मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैराल में अपने रिजॉइंटर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के

सभी जज अयोग्य हो जायें। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जायेंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।



मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैराल में अपने रिजॉइंटर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के

घरेलू मैदान पर आज दिल्ली कैपिटल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद को टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनों ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइजर्स चौथे जगह पर स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उनकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई है। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगी और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगी के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के

अलावा हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर ही दिल्ली कैपिटल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पशुप निसाका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली को गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलावा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच हुए 26



मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद - ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेंस फुलेट्ट, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगी, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मोंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ऑकार तरमाले, जयदेव उमादकट, अनिकेत वर्मा, जोशान अंसारी
दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करण नायर, डेविड मिलर, पशुप निसाका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक शर्मा, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विजय निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, ऑकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुम्पथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैम्सोन, कुलदीप यादव

तीनों ही प्रारूप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं है। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेट में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने राजीव गांधी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली। विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले हुए कुल 12 विकेट लिए हैं। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में



वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था। इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली कर गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

पंजाब किंग लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बनी, मैच में कई रिकार्ड भी बने

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रियांशु आर्या और कूपर कॉर्नली की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पंजाब की टीम आईपीएल में लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बन गयी है। वह लीग की शुरुआत से ही अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 254 रन बनाये जिसके बाद लख का पीछ करते हुए सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना पायी। प्रियांशु आर्या और कूपर की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं लक्ष्य का पीछ करते हुए सुपर जायंट्स की टीम की बल्लेबाजी ढह गयी। इस मैच में पंजाब ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज प्रभासिंमरन का विकेट खो दिया पर इसके बाद भी प्रियांशु और कॉर्नली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की बड़ी साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला। आर्या ने 37 गेंदों में 93 रन बनाये जबकि कॉर्नली ने 46 गेंदों में 87 रन बनाए। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। पंजाब किंग्स की टीम किसी भी सत्र में शुरुआती 6 मैच में अपराजेय रहने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 5 मैच जीते हैं जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। वह इस सत्र में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सोएसके)



के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक 250 रन बनाये थे। पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मैच में 454 रन बने। जिसमें दोनों टीम की तरफ से कुल मिलाकर 32 छक्के लगाये गए। ये इस सत्र में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर एडन मार्करिस के एक ही ओवर में 32 बने। ये आईपीएल का अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। प्रियांशु और कॉर्नली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

शार्दूल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत



चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर और दीपक चाहर को आंदे हथौड़े लगाये हैं। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनों को ही घर वापस भेज देना चाहिए क्योंकि ये दोनों ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुम्बई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनों को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुम्बई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे। 12.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दूल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनों से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो। जब जरूरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।। वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत भुराहा को प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेंद्रा जयवर्धने ने उनका बचाव किया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं। विश्व कप संयुक्त राज अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमों इस्तेमाल होंगे, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकार्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है। लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रसारणकर्ता सामने नहीं आया है। प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीदार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है। यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचों के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरूरत है।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकार्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है। लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रसारणकर्ता सामने नहीं आया है। प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीदार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है। यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचों के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरूरत है।



अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रसारणकर्ता सामने नहीं आया है। प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीदार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है। यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचों के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरूरत है।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं। इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पंत की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था। आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरू की। बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छे शुरुआत दी। ऋषभ ने अब बडोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है। ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था। यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी। हम शीघ्र ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था।

बनेगा। उनकी इस यात्रा में टायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पटन से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 टायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पटन मौजूद थे। मुझे कुछ गेंद चयन दे रखे थे। उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा बंध खेलेने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'धुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।' पंत के पीछे की उनकी मेहनत सालोंको का साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर ब्रेकर देव रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (RCB) के तेज गेंदबाज रासिख सत्याम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार है। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैं क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सपना मुझे कहाँ ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।' उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार बानखेड़े स्ट्रेटिजमेंट में मैच खेला; ऐंज (cramps) से जूझने के बावजूद उन्होंने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंज होने लगी,



ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंज हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।' उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ऑकार सल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहलियों में रहना, वह मुश्किल

जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तर्कही की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ रिविंग करने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद (slower one) भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।' रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हीसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेला शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां का हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थी कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे



मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केएनआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पाक के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था। वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283 रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवें स्थान पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सोएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है। तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के धुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है। राजस्थान रॉयल्स के रवि बिरनोई पांचवें नंबर पर हैं। बिरनोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैड्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

लंदन। जैक ड्रेपर ने इस हफ्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे। 124 साल के ड्रेपर ने मोटे कार्लो मारस्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र बले कोर्ट मैच से उन्हें वीच में ही हटना पड़ा था। यह टूर्नामेंट हट्टी में हो रहा था (बीन ब्रुसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का रिफॉर्मा चोथा टूर्नामेंट था; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे। ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बंद होने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुरुआत ही वह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है। मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरौरो के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूँ।'

लंदन। जैक ड्रेपर ने इस हफ्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे। 124 साल के ड्रेपर ने मोटे कार्लो मारस्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र बले कोर्ट मैच से उन्हें वीच में ही हटना पड़ा था। यह टूर्नामेंट हट्टी में हो रहा था (बीन ब्रुसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का रिफॉर्मा चोथा टूर्नामेंट था; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे। ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बंद होने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुरुआत ही वह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है। मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरौरो के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूँ।'

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कभी भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सजग बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आप पास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रेना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनों को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से बोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है।



मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कभी भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सजग बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आप पास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रेना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनों को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से बोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुछ समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है। टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे। रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता। रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि वे रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूँ तो खराब फॉर्म के बाद भी वापसी को तैयार हूँ क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पचना मिली है। ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा। उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फिट हूँ और हूँ, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा। रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है। पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल में वे इस साल 7 पारियों में लगे 107 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में फिलहाल उनकी वापसी की संभावना नजर नहीं आती।



मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कभी भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सजग बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आप पास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रेना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनों को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से बोट से उबर

‘आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, असल में नहीं’

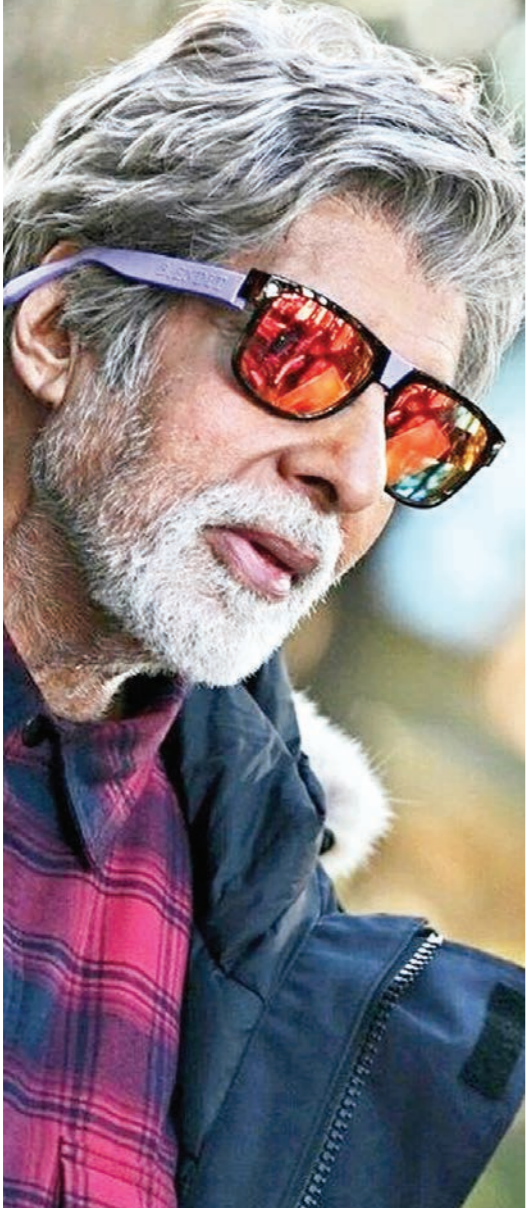


प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ को एक्टर थलापति विजय पर कसा तंज

अभिनेता प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वो अक्सर ही केंद्र सरकार पर निशाना भी साधते रहते हैं। अब प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ के अपने को-एक्टर थलापति विजय के राजनीति में प्रवेश करने पर कटाक्ष किया है। विजय अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु वेट्टी कजगम (टीवीके) के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में प्रकाश राज ने राजनीति के सिनेमा मॉडल पर निशाना साधा है।

प्रकाश राज ने राजनीति में फिल्मी सितारों के आने पर कसा तंज

पलानी में सीपीआई (एम) उम्मीदवार एन पांडी के लिए आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में बोलते हुए प्रकाश राज ने राज्य में प्रचलित तीन राजनीतिक दृष्टिकोणों का उल्लेख किया - द्रविड़ मॉडल, दास मॉडल और सिनेमा मॉडल। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश राज ने फिल्म सितारों के राजनीति में आने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जो स्पष्ट रूप से विजय की ओर इशारा था।



कहा-अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रेल करने वालों को भड़की पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रेलर्स को करार जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।’

शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूँ और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूँ, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।’

पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।’

अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ‘अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।



‘कमर्शियल एक्टर्स’ पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार ‘कमर्शियल’ एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, ‘अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?’

एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन ‘कम से कम ट्रेड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सौच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके।’ उन्होंने आगे कहा, ‘किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छे कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़े, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

‘समय जल्दी बीत जाता है...’, अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ‘बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।’

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, ‘धैर्य उस पहली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। लेकिन इसका फल मिलता है और बहुत अच्छा मिलता है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।’ उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ‘किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।’



भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाप रहे हैं। इंप्लूएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंप्लूएंसर ने बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ‘वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत

इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूँ। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ ‘क्यूट’ कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।’ तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया। उन्होंने कहा, ‘मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूँ। मुझमें वह मासूमियत

अभी भी है। मेरे अचछा लगा, बात खत्म।’ अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘मैं समझ नहीं पा रही हूँ कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनको तारीफ ही की थी।’

उन्होंने कहा, ‘चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूँ और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया।’ तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीओर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता।

मेरा कोई पीओर नहीं है। इंप्लूएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

इंप्लूएंसर तान्या चटर्जी ने किया दावा

अगले साल रिलीज होगी ‘लव एंड वॉर’

भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है ‘लव एंड वॉर’... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े



कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ‘लव एंड वॉर’ एक प्रेम

कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म ‘सांवरिया’ में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह ‘गंगुबाई काटियावाड़ी’ के बाद फिर से काम कर रहे हैं। ‘लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, ‘आपके बिना सब खाली है’

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, ‘निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा केषान नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूँ। उन्होंने आगे लिखा, ‘मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहे और ऊपर अच्छे से रहे, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं।’ अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म ‘वीर’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आई जरीन ने ‘हाउसफुल 2’, ‘हेट स्टोरी 3’ और ‘अक्सर 2’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें मुख्य रूप से ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

डिजिटल अरेस्ट पर सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता, क्रिमिनलों के हाथ में बंदूक नहीं मोबाइल, आपका भी नंबर आ सकता है



■ आरबीआई समेत बैंकों को दिए सख्त आदेश अर्दानी जनरल आर वैकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैटके हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई। एक अधिवक्ता ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है, तब भी लगातार ऐसे मामलों का सामना आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी इस तरह आसानी से ठगे जा रहे हैं।

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य

न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश

सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान

मेरिल एकेडमी ने प्रोफेशनल प्रोटेक्शन स्कीम को लेकर वापी में किया सेमिनार



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 अप्रैल। वापी में मेरिल एकेडमी ने प्रोफेशनल प्रोटेक्शन स्कीम को लेकर सेमिनार का आयोजन किया था। यह सेमिनार दमण, वापी, वलसाड, सिलवासा एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। इस सेमिनार में दमण, वापी, वलसाड, सिलवासा और नवसारी के 102 डॉक्टर शामिल हुए। मुख्य वक्ताओं में अहमदाबाद से मेडिकल लीगल एक्सपर्ट डॉ. बगरगाम, वापी के डीवायएसपी श्री दवे, पीपीएस स्कीम के चेरमैन डॉ. बिपिन पटेल, आईएमएजीएसवी अहमदाबाद के



प्रेसिडेंट डॉ. अनिल पटेल, डीएमए के प्रेसिडेंट पचश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, डीएमए के वाइस

प्रेसिडेंट डॉ. बिजल कापडिया, वलसाड मेडिकल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. टंडेल शामिल प्रेसिडेंट डॉ. कृपाल शाह, रहे।

दीव के कंकेश्वरी माता मंदिर में 21 किलो का घंटा अर्पण करने के साथ चढाया गया 1001 लड्डू का प्रसाद



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 20 अप्रैल। अक्षय तृतीया के अवसर पर दीव के समुद्र किनारे स्थित कंकेश्वरी माता मंदिर पर रमेश रावल द्वारा 1001 लड्डू का प्रसाद चढाया

गया और 21 किलो पीतल का घंटा अर्पण किया गया। इस अवसर पर सुबह चक्रतीर्थ तट पर मेला लगा हुआ था, हजारों भक्तों ने पहुंचकर माता कंकेश्वरी के दर्शन किये। इस

अवसर पर रमेश रावल ने माताजी को 21 किलो का पीतल का घंटा और 1001 लड्डू प्रसाद चढाया। घंटा की पूजा दीव नगरपालिका की उपाध्यक्षा करुणा सोलंकी, खारवा समाज

के प्रमुख किरिट वाजा किशोरभाई आदि ने की। इस अवसर पर माताजी की पूजा, अर्चना आदि की गई। बड़ी संख्या में भक्त माताजी के दर्शन के लिए पहुंचे थे।

दर्दनाक हादसा: खड़े कंटेनर से टकराई कार, 3 मासूम बच्चों की मौत: 9 लोग गंभीर घायल

दाहोद (ईएमएस)। जिले के भिठोड़ी हाईवे पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। सड़क पर खड़े एक कंटेनर के पीछे तेज रफ्तार कार जा घुसी, जिसमें सवार तीन मासूम बच्चों की मौत पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल फैल गया है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश का एक परिवार पावागढ़ स्थित माता जी के दर्शन कर कार से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान दाहोद जिले के भिठोड़ी हाईवे पर यह दर्दनाक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर खड़े

कंटेनर से कार की जोरवार टक्कर हो गई, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में कार में सवार तीन बच्चों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, मृतक बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए दाहोद सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

रथयात्रा का काउंटडाउन शुरू, अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में चंदन पूजा के साथ तैयारियों का आगाज

■ अक्षय तृतीया पर परंपरागत विधि से हुई रथ पूजा, भक्तिमय माहौल में गुंजा 'जय जगन्नाथ' अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात की पहचान और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा का काउंटडाउन अब आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अहमदाबाद शहर के जगन्नाथ मंदिर में पारंपरिक चंदन पूजा के साथ रथ की विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। पुरी की प्राचीन परंपराओं का अनुसरण करते हुए अहमदाबाद में भी रथयात्रा का शुभ मुहूर्त विधिवत रूप से स्थापित किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही साधु-संतों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय रहा और 'जय जगन्नाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। पूजन के दौरान भगवान जगन्नाथ के रथ के पहियों की विधिवत पूजा की गई। इसके बाद रथ के मरम्मत कार्य और रंग-रोगन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। परंपरा के अनुसार हर वर्ष अक्षय तृतीया के दिन से ही रथ को नया स्वरूप देने और उसे भव्य रूप से सजाने का कार्य आरंभ होता है। मंदिर ट्रस्टियों और सेवकों के अनुसार आगामी रथयात्रा को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए सभी तैयारियाँ तेजी से की जा रही हैं। श्रद्धालुओं में भी इस आयोजन को

दाभेल ग्राम पंचायत में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 20 अप्रैल। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण द्वारा एडवोकेट बार एसोसिएशन के समन्वय से दाभेल ग्राम पंचायत में 21 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वकील मयंक पटेल

स्वास्थ्य अधिकारों और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण योजनाओं के लिए संवाद विधि जागरूकता, रिस्कल इंडिया मिशन, प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, पीएम वन धन योजना, डॉन नालसा (नशा मुक्त भारत के लिए डॉन ड्रग अवैयरेनेस एंड वेलनेस

नेविगेशन योजना, 2025) के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। वकील रिमता गोहिल कानूनी जागरूकता: भारत के संविधान के भाग बख-ए के अंतर्गत मौलिक कर्तव्य के लिए जानकारी देंगी। वकील कृपाली दाभेलकर पीसी और पीएनडीटी अधिनियम पर कानूनी जानकारी देंगी।

धांगध्रा में मासूम कार्तिक की निर्मम हत्या से सनसनी, अंधविश्वास का खौफनाक चेहरा आया सामने

■ पुत्र प्राप्ति के नाम पर परिवार को बनाया शिकार, तांत्रिक महिला पर हत्या और काला जादू के आरोप; इलाके में आक्रोश सुरेन्द्रनगर (ईएमएस)। जिले के धांगध्रा शहर से एक बेहद दिल दहला देने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मात्र चार साल के मासूम बच्चे की निर्मम हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस सनसनीखेज मामले में अंधविश्वास और तांत्रिक प्रथाओं का भयावह

चेहरा उजागर हुआ है। मासूम कार्तिक की रहस्यमय मौत के पीछे तांत्रिक विधियों और झूठे धार्मिक दावों की आशंका ने समाज को हिला दिया है। मृतक कार्तिक के पिता फारुक बलदेवभाई एछवाडिया के परिवार में पहले से चार बेटियाँ थीं। पुत्र प्राप्ति की इच्छा रखने वाले इस परिवार ने

पड़ोस में रहने वाली रेहाना पर भरोसा किया, जो खुद को माता जी का माध्यम बताती थी। उसने परिवार को पुत्र प्राप्ति के लिए विशेष 'बाधा' देने का दावा किया था। समय बीतने के बाद 1 फरवरी 2022 को परिवार में बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम कार्तिक रखा गया। लेकिन बच्चे के जन्म के बाद

तांत्रिक महिला ने पशु बलि की मांग की, जिसे बच्चे की मां ने साफ तौर पर टुकरा दिया। इसी विवाद के बाद हालात गंभीर होते चले गए। 4 अप्रैल को कार्तिक घर के पास खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया। परिवार ने तुरंत उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। कुछ समय बाद तांत्रिक महिला के घर में बने पानी के टैंक से मासूम का शव बरामद हुआ। यह खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी मच गई और लोगों में भारी गुस्सा फैल गया। हैरानी की बात यह रही कि शुरुआत में परिवार ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के बच्चे के शव को दफना दिया था। लेकिन हत्या की आशंका गहराने पर करीब 12 दिन बाद धांगध्रा

पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को कब्र से बाहर निकलवाया और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा। जांच में पर्याप्त सबूत मिलने के बाद आरोपी महिला के खिलाफ हत्या, काला जादू और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। अंधविश्वास और झूठे धार्मिक दावों के नाम पर लोग किस तरह गुमराह होते हैं और उसका अंत कितना भयावह हो सकता है, यह मामला उसी का उदाहरण है। अब स्थानीय लोग आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

Dhruv Estate Agent

इन्डस्ट्रीयल, रेसिडेन्टल, डोमर्शियल प्लॉट्स, इन्डस्ट्रीयल गाला, रो-हाउस, अंगालो तथा इलेट्सना भरीए वेयाए। भाटे संपर्क करो.

संपर्क: ध्रुविक लट्टु: +91 96878 11011

तिरुपति इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, नानी दमण

FOR SALE

FOR PURCHASE

Ekta Travels

Diu to Ahmedabad- Mumbai-Baroda-Surat- Navsari-Daman-Vapi

GSRTC Online Booking, Jethibai Bus Station, Diu. Contact here for Online Booking. Also Booking All types of Four Wheeler & Hire Bike on Rent. Email: ektatravel5053@gmail.com

Hitesh: Mo.: 9898616424, 94261 33112, Ph. (O) (02875)253474, 255500